हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 92 | देहरादून, मंगलवार, 27 सितंबर, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

उत्तराखंड सरकार का अवैध निर्माणों पर हल्ला बोल

3

जी.एस.टी की दर को 18 से 12 प्रतिशत किया जाये : सतपाल महाराज

बड़ी निविदाओं को छोटा करने का भी दिया महाराज ने सुझाव

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 27 सितंबर , उत्तराखंड सचिवालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आयोजित लोक निर्माण विभाग की महत्वपूर्ण बैठक में लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज द्वारा अनेक महत्वपूर्ण बिंदु पर चर्चा करने के साथ-साथ प्रदेश हित में शीघ्र उनके क्रियान्वयन की बात कही।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग की एक महत्वपूर्ण बैठक में लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज द्वारा प्रदेश हित में अनेक महत्वपूर्ण बिंदु पर चर्चा करने के साथ-साथ पर्वतीय क्षेत्रों में मोटर मार्गों के दोनों ओर 100 मीटर तक की जमीन को व्यवसायिक क्षेत्र घोषित करने, हरिद्वार में वैकल्पिक यातायात (Outer ring road) की व्यवस्था करने, पी.एम.जी.एस.वाई. की सड़कों को लोक निर्माण विभाग में लिए जाने जैसे प्रमुख मामलों पर मुख्यमंत्री का ध्यानाकर्षण किया।

लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने कर्णप्रयाग-नंदासैण-पैठाणी वैकल्पिक मार्ग बनाए जाने और लोक निर्माण विभाग में रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था को पूर्व की भांति सरल करना करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस को व्यावसायिक रूप में उपयोग किये जाने हेतु पर्यटन विभाग को हस्तांतरित करने के अलावा जी.एस.टी की दर को 18 प्रतिशत से 12 प्रतिशत करने, बड़ी निविदाओं को छोटी-छोटी निविदाओं में परिवर्तित किये जाने की भी बात कही।

मंत्री सतपाल महाराज ने स्थानीय लोगों को लाभ देने के लिए पंजीकरण, नवीनीकरण की प्रक्रिया को सरल किया जाने के और इसमें हैसियत प्रमाण पत्र की छः माह की वैद्यता को बढ़ाकर पूर्व की भांति शपथ-पत्र लगाकर मान्य किया जाये।

बैठक में मुख्यमंत्री की अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव, मुख्यमंत्री मीनाक्षी सुन्दरम, लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु एवं लोनिवि के प्रमुख अभियन्ता अयाज अहमद सहित लोनिवि के कई अधिकारी मौजूद थे।

रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग में अज्ञात वाहन ने मारी, लोगों को टक्कर, दो की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड राज्य में आया हिट एंड रन का मामला। बता दे रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग पर बीती रात एक अज्ञात वाहन ने सड़क पर चल रहे तीन लोगों को मारी टक्कर। जिससे दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया है. वहीं घायल व्यक्ति को उपचार के लिए हायर सेंटर भेजा गया है. वहीं सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भे जा ।

मामला करीब 11 बजे का है जब रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग पर गबनी गांव के पास एक अज्ञात वाहन द्वारा सड़क पर चल रहे तीन लोगों को टक्कर मार दी गई. जिससे घटना में जखोली ब्लॉक के मूसाढुंग निवासी हरवीर सिंह (43) पुत्र पूर्ण सिंह, मदन सिंह (40) पुत्र मोहन सिंह की मौत हो गई. जबकि गांव का ही धर्मेंद्र सिंह (34) पुत्र दर्शन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसे इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है.सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेजा. वहीं पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमे की कार्रवाई कर रही है और उसकी तलाश में जुट गई है. बताया जा रहा है कि तीनों लोग केदारनाथ यात्रा में घोड़ा-खच्चर चलाते थे और गौरीकुंड से पैदल घर की ओर आ रहे थे. वहीं पुलिस हादसे की जांच में जुटी हुई है.

हरिद्वार पंचायत चुनाव-2022

वोटिंग खत्म, 88 फीसदी रहा मतदान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ परिणामों का एलान 28 को

हरिद्वार, 27 सितंबर , जिला निर्वाचन अधिकारी विनय शंकर के मुताबिक शाम 5:50 बजे बाद भी 550 मतदाता नारसन ब्लॉक के नगला इमरती बूथ पर वोटिंग के लिए अंदर थे। इसलिए उनका वोट कराया गया है। जिले का औसत मतदान 88 फीसदी है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नगला इमरती की वोटिंग को जोड़ने के बाद संभवत मतदान प्रतिशत 89 फीसदी तक रहेगा। कुल मतदान का आंकड़ा देर रात या कल जारी किया जाएगा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतीक जैन ने बताया कि सभी छह ब्लॉक में दोपहर चार बजे तक कुल 68.36 फीसदी मतदान हो चुका है। मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्वक ढंग से चल रही है। मतदाताओं की भीड़ होने के चलते तय समय से ज्यादा देर तक वोटिंग कराई जा रही है।

मुख्य विकास अधिकारी व उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतीक जैन ने बताया कि मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्वक ढंग से चल रही है। सभी छह ब्लॉक में दोपहर दो बजे तक कुल 46.52 फीसदी मतदान हो चुका है।

नवरात्रि विशेष : जानिए उत्तराखंड की प्रसिद्ध धारी देवी की कहानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दुनियाभर में अध्यात्म और आस्था के लिए प्रसिद्ध राज्य उत्तराखंड की अपनी अलग पहचान है। यहां कई ऐसे धार्मिक स्थान है जो पौराणिक काल से मौजूद हैं। प्राचीन ऋषि मुनियों की परंपरा को थामे उत्तराखंड यूं ही नहीं देवभूमि कहलाता है। यहां हर साल कई सैलानी शांत वातावरण की तलाश में आते हैं। यूं तो उत्तराखंड में अनगिनत प्रसिद्ध मंदिर मौजूद हैं लेकिन आज हम आपको यहां ऐसे ही एक मंदिर और इसके पीछे की कहानी के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसकी जानकारी आपको होनी चाहिए।

माता धारी देवी। 7 भाइयों की इकलौती बहन। माता धारी देवी अपने सात भाइयों से अत्यंत प्रेम करती थी , यह कहानी तब की है जब माँ धारी देवी केवल सात साल की थी । परन्तु जब उनके भाइयों को यह पता चला कि उनकी इकलौती बहन के ग्रह उनके लिए खराब है तो उनके भाई उनसे नफरत करने लगे। परन्तु माँ धारी देवी अपने सात भाइयों को ही अपना सब कुछ मानती थीं क्योंकि इनके माता - पिता के जल्दी गुजर जाने के कारण धारी देवी का पालन - पोसण अपने भाइयों के हाथों से ही हुआ था। एक समय ऐसा आया कि माँ के पाँच भाइयों की मोत हो गयी । और केवल दो शादी - शुदा भाई ही बचे थे और इन दो भाइयों को ऐसा लगा कि कंही हमारे पाँच भाइयो की मोत हमारे इस इकलोती बहन के हमारे प्रति खराब ग्रहों के कारण तो नी हुयी। तो एक दिन इन दो भाइयों ने जब वह कन्या अर्थात माँ धारी केवल 13 साल की थी तो उनके दोनों भाइयों ने उनका सिर उनके धड़ से अलग कर दिया ओर उनके मृत - शरीर को रातों रात नदी के तट में प्रवाहित कर दिया।

कन्या का सिर वहाँ से बहते - बहते कल्यासौड़ के धारी नामक गाँव तक आ पहुँचा, जब सुबह नदी तट के किनारे पर कपड़े धुल रहा था तो उन्होंने सोचा कि नदी में कोई लड़की बह रही है ।उस व्यक्ति ने कन्या को बचाना चाहा परन्तु उन्होंने यह सोचकर कि में वहाँ जाऊँ तो जाऊँ कैसे, क्योंकि नदी में तो बहुत ही ज्यादा पानी था और वह इस डर से घबरा गए कि में कहीं स्वंय ही न बह जाऊँ और उसका धैर्य टूट गया और उसने सोच लिया कि में अब वह कन्या को नहीं बचायेगा। परन्तु अचानक एक आवाज नदी से उस कटे हुए सिर से आयी जिसने उस व्यक्ति का धैर्य बढ़ा दिया, वह आवाज थी कि तू घबरा मत और तू मुझे यहाँ से बचा। और मैं तेरे को यह आश्वासन दिलाती हूँ कि तू जहाँ जहाँ पैर रखेगा में वहाँ वहाँ पे तेरे लिए सीढ़ी बना दूँगी, कहा जाता है कि कुछ समय पहले ये सीडिया यहाँ पर दिखाई देती थीं ।कहा जाता है कि जब वह व्यक्ति नदी में कन्या को बचाने गया तो सच में अचानक एक चमत्कार हुआ, जहाँ जहाँ उस व्यक्ति ने अपने पैर रखे वहाँ - वहाँ पर सीढ़ियाँ बनती गयी । जब वह व्यक्ति नदी में गया तो उस व्यक्ति ने उस कटे हुये सिर को जब कन्या समझ कर उठाया तो वह व्यक्ति अचानक से घबरा गया वह जिसे कन्या समझ रहा था वह तो एक कट हुआ सिर है । फिर उस कटे हुए सिर से आवाज आई कि तू घबरा मत में देव रूप में हूँ और मुझे एक पवित्र, सुन्दर स्थान पर एक पत्थर पर स्थापित कर दे । ओर उस व्यक्ति ने वही किया जो उस कटे हुए सिर ने उस व्यक्ति को बोला क्योंकि उस व्यक्ति के लिए भी वह किसी चमत्कार से कम नहीं था कि एक कटा हुआ सिर आवाज दे, उस व्यक्ति के लिए सीढ़ी बनाएं, एवं उसे रक्षा का आश्वासन दे, यह सब देखकर वह व्यक्ति भी समझ गया कि यह एक देवी ही है।

जब उस व्यक्ति ने उस कटे हुए सिर को एक पत्थर पर स्थापित किया तो उस कटे हुए सिर न अपने बारे में सब कुछ बताया कि मैं एक कन्या थी, जो कि सात भाइयों की इकलौती बहन थी ओर मुझे मेरे दो भाइयों के द्वारा मारा दिया गया और यह सब कुछ बताकर उस कटे हुए सिर ने एक पत्थर का रूप धारण कर लिया ।तब से उस पत्थर की वहाँ पर पूजा अर्चना होने लगी और वहाँ पर एक सुन्दर धारी देवी मंदिर बनाया गया था। और जो उस कन्या का धड़ वाला हिस्सा था वह रुद्रप्रयाग के कालीमठ में माँ मैठाणी के नाम से प्रसिद्ध हुआ , यहाँ पर भी माँ का भव्य मंदिर है और इस मंदिर को बदन वाला हिस्सा भी कहा जाता है ।

आपको बता दें, माता का सिद्धपीठ उत्तराखंड के श्रीनगर से लगभग 14 किमी की दूरी पर स्थित है। यह मंदिर कलियासौड़ इलाके में अलकनंदा नदी के तट पर स्थित है। यहां के जानकारों के अनुसार, इस मंदिर के साक्ष्य 1807 में पाए गए थे। वहीँ यहां के महंत का कहना है कि मंदिर 1807 से भी कई साल पुराना है लेकिन इनका गुस्सा भी किसी से छुपा नहीं है, यहां के लोगों की मानें तो केदारनाथ में आया प्रलय धारी देवी के गुस्से का ही नतीजा था।

मान्यता है कि इस मंदिर में रोजाना माता तीन रूप बदलती हैं। सुबह कन्या, दोपहर में युवती और शाम को वृद्धा का रूप धारण करती हैं।

उत्तराखंड में जन्म के लिंगानुपात सबसे खराब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नमूना पंजीकरण प्रणाली सांख्यिकीय रिपोर्ट 2020 के अनुसार, जन्म के समय उत्तराखंड का लिंगानुपात देश में सबसे खराब 844 और केरल का सबसे अच्छा 974 पाया गया। भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा 22 सितंबर को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि जन्म के समय देश का कुल लिंगानुपात 2018-20 में तीन अंक बढ़कर 907 हो गया था, जो 2017 में 904 था- 19. ग्रामीण क्षेत्रों में यह 907 और शहरी क्षेत्रों में 910 थी।

अनुपात संभवतः प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण और कन्या भ्रूण हत्या के मामलों की संख्या का संकेत है। इस बीच, उत्तराखंड का लिंगानुपात चार अंक कम हो गया, क्योंकि यह 2017-2019 की अवधि के लिए प्रकाशित अंतिम आरजीआई रिपोर्ट में 848 था। 2020 की रिपोर्ट में कहा गया है, "ग्रामीण क्षेत्रों में, जन्म के समय सबसे अधिक और सबसे कम लिंगानुपात क्रमशः केरल (973) और उत्तराखंड (853) राज्यों में था। शहरी क्षेत्रों में जन्म के समय लिंगानुपात केरल में 975 से उत्तराखंड में 821 तक था। पहाड़ी राज्य में जन्म के समय लिंगानुपात 2014-16 में 850, 2015-17 में 841, 2016-18 में 840, 2017-2019 में 848 और 2018-2020 में 844 था। इनमें से कुछ अवधि अतिव्यापी हैं।

ग्रामीण उत्तराखंड में लिंगानुपात 2017-19 में 862 से नौ अंक गिरकर 853 हो गया। यह अभी भी शहरी उत्तराखंड की तुलना में बेहतर प्रदर्शन था, जिसने 2013-15 में लिंगानुपात 832 के रूप में कम दर्ज किया, जो देश में सबसे कम में से एक था। यह 2014-16 में घटकर 816 हो गया और 2018-20 में आंशिक रूप से 821 हो गया। रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया के लिए राज्य सरकार के अधिकारियों से संपर्क करने के प्रयासों का कोई नतीजा नहीं निकला ।रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में लिंगानुपात 860 था, उसके बाद हरियाणा (870), महाराष्ट्र (876), गुजरात (877), और तेलंगाना (892) का स्थान है। इनमें से हरियाणा, जो कन्या भ्रूण हत्या के मामलों के लिए बदनाम है, में ग्रामीण लिंगानुपात 868 और शहरी लिंगानुपात 874 दर्ज किया गया ।दून स्थित एनजीओ 'समाधान' की संस्थापक रेणु डी सिंह ने उत्तराखंड में जन्म के समय लिंगानुपात में विषमता के कारणों का विश्लेषण करते हुए कहा, ₹पांच पीढ़ियां बीत चुकी हैं लेकिन 70% महिलाओं के पास अभी भी पारिवारिक संपत्ति तक पहुंच नहीं है।, उच्च शिक्षा और स्वास्थ्य संसाधन। महिलाओं को अभी भी अपने ही परिवारों में खुद को 'द्वितीय श्रेणी के नागरिक' के रूप में स्वीकार करने के लिए निष्क्रिय रूप से वातानुकूलित किया जा रहा है। निर्णय लेने, बिना किसी डर के बोलने और एक जिम्मेदार उत्पादक वैश्विक नागरिक के रूप में विकसित होने की शक्ति पीछे हट गई है।₹संयोग से, जून 2021 में, जब उस वर्ष के लिए नीति आयोग के आंकड़े जारी किए गए थे और उत्तराखंड के लिंगानुपात को 840 पर दिखाया गया था, राज्य सरकार ने ₹अलग-अलग गणना मापदंडों₹ को दोषी ठहराया था और दावा किया था कि वास्तविक आंकड़ा 949 था। एक सप्ताह बाद, से डेटा नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरसी) ने दिखाया कि राज्य का लिंगानुपात ₹केरल के बराबर एक प्रशंसनीय '960' था।

उत्तराखंड सरकार का अवैध निर्माणों पर हल्ला बोल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अवैध निर्माणों के लिए सरकार द्वारा सख्ती से कदम उठाए जा रहे है। इसका एक नमूना ऋषिकेश में वेदपाटी मार्ग में अविनाश सोंधी द्वारा वाणिज्यिक प्रकृति के निर्माण को स्वीकृत नक्शे से हटकर बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर को कवर करके राईट ऑफ वे को कवर करके सील कर दिया गया। साथ ही प्रदीप अग्रवाल द्वारा बिना स्वीकृति के किया जा रहा चार दुकानों की बुनियाद का कार्य जो की लगभग ४* गुणा २* फ़ीट के क्षेत्रफल जिसकी आज प्राधिकरण टीम द्वारा ध्वस्त कर दिया गया।

प्राधिकरण द्वारा देहरादून में लगभग १६ बीघा भूमि पर प्लॉटिंग की गयी थी जिसे प्राधिकरण द्वारा १९.९.२०२२ को ध्वस्त कर दिया गया था , परन्तु ध्वस्त की गयी प्लॉटिंग में पुनः सी सी सड़क का निर्माण कर दिया गया है। जिस कारण आज प्राधिकरण द्वारा उक्त लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने हेतू थानाध्यक्ष पटेल नगर को तहरीर दे दी गयी है.मैजेस्टिक इन-होटल राजपुर रोड द्वारा वीना स्वीकृति के कॉफी शॉप का निर्माण / संचालन किया जा रहा था. इस अनाधिकृत निर्माण को सील कर दिया गया। दिव्या अग्रवाल १० गुणा १० फ़ीट में पांच हटों का निर्माण बिना स्वीकृति के किया है , जिनको आज प्राधिकरण टीम द्वारा सील कर दिया गया। मै० द स्मोक हाउस राजपुर रोड देहरादून द्वारा लगभग १५ गुणा ४० फ़ीट क्षेत्रफल में अवैध रूप से टीन शेड का निर्माण कर व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन किया जा रहा था, जिसे आज सील कर दिया गया।

प्राधिकरण द्वारा सभी प्रकार के अवैध निर्माणों पर सख्त कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी .

1. ऋषिकेश में 6/1 वेदपाटी मार्ग में अविनाश सोंधी द्वारा स्वीकृत मानचित्र से विचलन करते हुए बेसमेंट तथा भूतल किये जाने पर तथा मार्गाधिकार को आच्छादित करते हुए व्यावसायिक प्रकृति के निर्माण को सील कर दिया गया।

2. श्री प्रदीप अग्रवाल, आई टी पार्क, धोरण रोड, सस्त्रधारा रोड द्वारा लगभग 43 गुणा 23 फ़ीट के क्षेत्रफल में चार दुकानों की बुनियाद का कार्य बिना स्वीकृति के किया जा रहा था. जिसकी आज प्राधिकरण टीम द्वारा ध्वस्त कर दिया गया.

3. प्राधिकरण द्वारा श्री मकबूल , इरफ़ान, अरविन्द, तथा सुलेमान द्वारा हरभजवाला , आर्केडिआ ग्रांट , देहरादून में लगभग 16 बीघा भूमि पर प्लॉटिंग की गयी थी जिसे प्राधिकरण द्वारा 19.9.2022 को ध्वस्त कर दिया गया था , परन्तु ध्वस्त की गयी प्लॉटिंग में पुनः सी सी सड़क का निर्माण कर दिया गया है। जिस कारण आज प्राधिकरण द्वारा उक्त लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने हेतू थानाध्यक्ष पटेल नगर को तहरीर दे दी गयी है.

4. मैजेस्टिक इन-होटल राजपुर रोड द्वारा वीना स्वीकृति के कॉफी शॉप का निर्माण / संचालन किया जा रहा था. इस अनाधिकृत निर्माण को सील कर दिया गया।

5. श्रीमती दिव्या अग्रवाल , राजपुर रोड , देहरादून द्वारा 10 गुणा 10 फ़ीट में पांच हटों(3 पाइन कैफ़े) का निर्माण बिना स्वीकृति के किया है , जिनको आज प्राधिकरण टीम द्वारा सील कर दिया गया।

6. मै0 द स्मोक हाउस राजपुर रोड देहरादून द्वारा लगभग 15 गुणा 40 फ़ीट क्षेत्रफल में अवैध रूप से टीन शेड का निर्माण कर व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन किया जा रहा था, जिसे आज सील कर दिया गया.

7. वीर जी (मलाई चाप वाले) , राजपुर रोड , देहरादून पर 16 गुना 20 फ़ीट क्षेत्रफल में बिना स्वीकृति के टीन शेड का निर्माण कर व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन किया जा रहा था , जिसे आज सील कर दिया गया.

अंकिता भंडारी के पैतृक गांव डोभ श्रोकोट पहुंची कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या, परिवार के प्रति जताई सहानुभूति

सरकार पीड़ित परिवार के साथ है खड़ी, दी जाएगी हर संभव मदद : रेखा आर्या

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी ,27 सितम्बर, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या डोभ श्रीकोट पहुंची जहाँ उन्होंने अंकिता भंडारी के परिजनों से मुलाक़ात की. कैबिनेट मंत्री ने शोक संतप्त पीड़ित परिजनों को सांत्वना दी और परिजनों को ढांडस बंधाया.उन्होंने कहा की दुख की इस घड़ी में पूरी सरकार और उनका स्वयं का बाल विकास विभाग परिजनों के साथ खड़ा है.मीडिया से बात करते हुए मंत्री रेखा आर्या ने कहा की जिस प्रकार की यह घटना घटित हुई है इसने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है,आगे से ऐसी घटना किसी बेटी के साथ ना होने पाए इसके लिए हम कठोर से कठोरतम कदम उठाएंगे. उन्होंने कहा की इस पूरे मामले में सरकार ने अपनी तत्परता व गंभीरता दिखाते हुए दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किया और साथ ही अवैध रिसोर्ट पर बुलडोजर चलाया. उन्होंने कहा की शायद इस प्रकार की कारवाही प्रदेश में पहले कभी नहीं हुई.वहीँ पीड़ित अंकिता माँ -पिता से बात करते हुए उन्होंने कहा की चुंकि अंकिता की माता जी मिनी आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यरत है ऐसे में उनकी कोशिश रहेगी की जैसे ही मिनी आंगनबाड़ी केंद्र का उच्चीकरण होता है उन्हें पूर्ण आंगनबाड़ी केंद्र में समायोजित किया जायेगा.साथ ही कहा की इस मामले पर हमारी सरकार संवेदनशील और मामले की गंभीरता को देखते हुए ही हमने फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट और SIT के गठन का तुरंत निर्णय लिया. जिस स्थान पर यह घटना घटित हुई हमने उस रिसोर्ट को ध्वस्त करने के साथ ही प्रदेश में संचालित ऐसे अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण के निर्देश भी दिए हैं. उन्होंने कहा की बेटियां हमारा मान, सम्मान और अभिमान है और ऐसी घटना को अंजाम देने वाले दोषियों के खिलाफ हम ऐसी कारवाही करेंगे जो समाज में नजीर बनेगी.इसके साथ ही उन्होंने सम्बंधित अधिकारियो को निर्देश दिए की जिला विधिक प्राधिकरण से वार्ता करके उनके विभाग के द्वारा पीड़ित परिजनों को एक सम्मानजनक राशि प्रदान करने की व्यवस्था की जाये.

सरकार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए किया फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट और SIT का गठन : रेखा आर्या

बेटियों का मान सम्मान सरकार का मान सम्मान : पुष्कर सिंह धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 27 सितंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए नंदा गौरा योजना के अंतर्गत 80 हज़ार लाभार्थी बालिकाओं को PFMS के माध्यम से ₹ 323 करोड़ 22 लाख की धनराशि का डिजिटल हस्तांतरण किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा *2017-18 सत्र की 5310 बालिकाओं, 2018 -19 सत्र की 460 बालिकाओं, 2019 - 20 सत्र की 1567 बालिकाओं, 2020 - 21 सत्र की 16210 बालिकाओं एवं 2021 - 22 सत्र की 56177 बालिकाओं, इस प्रकार से कुल 80 हज़ार वंचित लाभार्थि बालिकाओं को धनराशि का डिजिटल माध्यम से हस्तांतरण किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी को शारदीय नवरात्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस शुभ अवसर पर प्रदेश की बेटियों को धनराशि हस्तांतरण कर अपने को सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूं, उन्होंने कहा हमारी सरकार प्रदेश की प्रत्येक बालिकाओं के भविष्य को उत्कृष्ट, उज्जवल बनाने हेतु संकल्पित है, हमारी सरकार के संकल्प को पूर्ण करने में बेटियों का अहम योगदान है, आज प्रत्येक क्षेत्र में बेटियां एवं महिलाएं पुरुषों से अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, सरकार द्वारा लिए गए प्रदेश को प्रत्येक क्षेत्र में आगे ले जाने के संकल्प में बेटियों का अहम योगदान रहेगा, उन्होंने कहा बेटियों के योगदान के बिना यह संकल्प कभी पूरा नहीं हो सकता, आज बेटियां मेहनत, परिश्रम के बल पर सफलता हासिल कर रही हैं,

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिवंगत अंकिता भण्डारी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि दुख की इस घडी में सरकार उनके शोक संतप्त परिजनों के साथ है। उन्होंने कहा हमारी बेटियों के साथ होने वाली इस तरह की घटना मन में क्रोध पैदा करती है, उन्होंने कहा इस घटना के लिए जिम्मेदार दोषी लोगों को बिल्कुल भी नहीं बख्शा जाएगा, बेटियों के साथ अन्याय करने वाले लोगों की हमारे समाज एवं राज्य में कोई जगह नहीं है, उन्होंने कहा इस प्रकरण की तेजी से जांच करने के लिए एसआईटी का गठन किया जा चुका है तथा इस मामले में संलिप्त दोषी लोगों को शीघ्रता से सजा मिले इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री धामी ने बेटियों के मान सम्मान को सरकार का मान सम्मान बताया, उन्होंने कहा प्रदेश की बेटियों का अपमान सरकार का अपमान होता है, उन्होंने कहा हमारी बेटी अंकिता भण्डारी पर हुए इस जघन्य अपराध की त्वरित एवम् निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई करेगी जो इस प्रकार के घृणित कार्य को करने वाले अपराधियों के लिए एक नजीर साबित होगा।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने शारदीय नवरात्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के महा अभियान की शुरुआत की थी, यह नंदा गौरा योजना भी उसी परिपेक्ष में बालिकाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के रास्ते पर ले जाती है, उन्होंने कहा हमें हर लड़की के समग्र विकास में गतिशील प्रगति होना चाहिए, एक बालिका के पैदा होने से उसकी पढ़ाई एवं शादी होने तक सरकार हमेशा उसके साथ खड़ी रहती है, उन्होंने कहा प्रत्येक बालिका का अधिकार है कि उसकी क्षमता के विकास का पूरा मौका मिले, इसके साथ ही यह देव भूमि एवं देवियों की भूमि दोनों कहलाएगा। इस दौरान कार्यक्रम में सचिव हरीश चंद्र सेमवाल अपर सचिव प्रशांत आर्य निदेशक संस्कृति वीणा भट्ट एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

भारतीय रेलवे का बदला नियम नई गाइडलाइन तुरंत चेक करें नहीं तो.....

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारतीय रेलवे : अब जब भी आप ट्रेन में सफर करते हैं तो कई बातों का ध्यान रखना पड़ता है. एक छोटी सी गलती भी आपको बड़ी मुसीबत में डाल सकती है। दरअसल, भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नियमों में बड़ा बदलाव किया है। यह आमतौर पर ट्रेन में यात्रा करने वाले सभी यात्रियों को पता होना चाहिए। रेलवे की ओर से हाल ही में किया गया बदलाव रात में सफर करने वाले यात्रियों को लेकर है.रेलवे के नए नियमों के मुताबिक अब आपकी सीट, कम्पार्टमेंट या कोच में कोई भी यात्री तेज आवाज में मोबाइल पर बात नहीं कर सकता और न ही तेज आवाज में गाने सुन सकता है. रेलवे ने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं ताकि यात्रियों की नींद में खलल न पड़े और वे यात्रा के दौरान चैन की नींद सो सकें।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई यात्रियों की अक्सर शिकायत रहती है कि उनके कोच में एक साथ सफर करने वाले लोग फोन पर जोर से बात करते हैं, या देर रात तक गाने सुनते हैं. कुछ यात्रियों की ओर से यह भी शिकायत थी कि रेलवे एस्कॉर्ट या मेंटेनेंस स्टाफ भी तेज आवाज में बात करता है।

इसके अलावा कई यात्री रात 10 बजे के बाद भी लाइट जलाते हैं, जिससे उनकी नींद में खलल पड़ता है। इसे देखते हुए रेलवे ने नया नियम बनाया है। ऐसे में अगर कोई यात्री नियमों का पालन नहीं करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जानिए क्या हैं नए नियम

रेलवे बोर्ड ने फैसला किया है कि अगर आप ट्रेन में सफर के दौरान रात 10 बजे के बाद मोबाइल पर तेजी से बात कर रहे हैं तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी. नए नियमों के मुताबिक रात की यात्रा के दौरान यात्री न तो तेज आवाज में बात कर सकते हैं और न ही संगीत सुन सकते हैं। यदि कोई यात्री शिकायत करता है तो उसका निराकरण करने की जिम्मेदारी ट्रेन में मौजूद स्टाफ की होगी।

उत्तराखंड में काले मेघ ने ले ली छुट्टी, हुआ मौसम साफ़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश से उत्तराखंड वासियों को मिली मुक्ति।५ -6 दिन से हो रही बारिश के बाद उत्तराखंड में दिखा खुला आसमान, निकली चटाकेदार धुप। मूसलाधार बारिश से यमुनोत्री धाम समेत यमुना घाटी में यमुना नदी, गदेरे उफान पर हैं।

विभिन्न स्थानों पर यमुनोत्री हाईवे बंद होने से श्रद्धालुओं के वाहन विभिन्न स्थानों पर फंस गए हैं।लगातार बारिश के बाद सड़कों पर मलबा आने से कई जगहों पर हाईवे बंद हो गया है। जिसको हटाने का काम काफी तेज़ज़ी से शुरू हो गया है। पहाड़ी इलाकों में चार दिनों से लगातार हो रही बारिश से हरिद्वार में गंगा का जलस्तर बढ़ गया है। सुबह गंगा का जलस्तर 292.25 मीटर रिकॉर्ड किया गया। जबकि गंगा का चेतावनी स्तर 293 मीटर है। लेकिन एहतियात बरतते हुए बाढ़ चौकियां अलर्ट पर हैं।

मौसम के साफ़ होते ही सरे काम शुरू होते दिखाए दे रहे है। भोवाली-अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार सुबह पांच बजे भौर्या मोड़ पर थूवा पहाड़ी से सड़क पर पत्थर गिरने से मार्ग बंद हो गया था। जिससे अल्मोड़ा, बागेश्वर, हल्द्वानी की ओर आने वाले वाहन सड़क के दोनों ओर फंस गए जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। जिसे अब घंटों मशक्कत के बाद खोला गया।

चंपावत में रामेश्वर धाम जा रहे श्रद्धालुओं का मैक्स वाहन दुर्घटनाग्रस्त

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नवरात्रि की धूम पुरे देश में मच्ची हुए है, ऐसे में उत्तराखंड में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती जा रही है। ऐसे में आज पहले नवरात्रि के दिन एक दर्दनाक हादसा नज़र आया है। आपको बता दे चंपावत में रामेश्वर धाम जा रहे श्रद्धालुओं का मैक्स वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दौरान हादसे में छह लोग घायल हो गए। इस हादसे में वाहन सवार 12 श्रद्धालु घायल हो गए। जिसमें 6 को ज्यादा चोटें आई है। वहीं अन्य 6 मामूली रूप से चोटिल हैं। बता दें कि दोपहर को मैक्स वाहन संख्या Uk05TA0531 तल्ला बापरू से घाट की ओर जा रहा था। रास्ते में मौकोट के पास मैक्स वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया।सभी को उप जिला अस्पताल लोहाघाट में भर्ती कराया

गया है। जहां डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टरों का कहना है कि सभी घायल अब ठीक हैं।

सैयद मुश्ताक अली ट्राफी के लिए उत्तराखंड टीम में दून बलूनी क्रिकेट एकादमी के खिलाड़ी का चयन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड की सीनियर टीम की घोषणा कर दी गई है। दून बलूनी क्रिकेट अकादमी के खिलाड़ी विशाल डंगवाल और अभय क्षेत्री को भी इस टीम में चुना गया है। दोनों खिलाड़ियों के चयन को लेकर बलूनी क्रिकेट अकादमी में जश्न का माहौल था। बलूनी ग्रुप के एमडी विपिन बलूनी ने दोनों खिलाड़ियों के चयन पर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

एक साल पहले ही दून बलूनी क्रिकेट अकादमी का गठन किया गया था और इस दौरान अकादमी के कई खिलाड़ियों ने राज्य और देश में अपनी प्रतिभा दिखाई है। बलूनी

क्रिकेट अकादमी ने हाल ही में आयोजित अंडर 19 जिला क्रिकेट टूर्नामेंट भी जीता। अकादमी ने अंडर-16 ट्रायल में भी अच्छा प्रदर्शन किया। सैयद मुश्ताक ट्रॉफी के लिए 21 सदस्यीय टीम का चयन किया गया है। टीम में कप्तान आकाश मधवाल और उपकप्तान दिशाशु नेगी को बनाया गया है। इसके अलावा जीवनजोत सिंह, पीयूष जोशी, आदित्य तारे, विशाल डंगवाल, अवनीश सुधा, विजय शर्मा, मयंक मिश्रा, राजन कुमार, एडवांस तिवारी, सत्यम बलियान, संयम अरोड़ा, स्वप्निल सिंह, नीरज सिंह राठौर, तनुष गुसाईं, अभय क्षेत्री, दीपेश नैनवाल और स्पर्श जोशी। टीम के मुख्य कोच मनीष झा, गेंदबाजी कोच आनंद राजन, सहायक कोच मनोज रावत, फिजियो देशराज चौहान, ट्रेनर गोपाल और मैनेजर नवनीत मिश्रा हैं।

क्या किसी ने आपसे कैंसिल चेक मांगा है, जानिए इसकी वजह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बैंक या बीमा कंपनी अक्सर आपको वित्तीय कार्यों में चेक रद्द करने के लिए कहा जाता है। भले ही हम तेजी से डिजिटलीकरण की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन इसकी उपयोगिता बरकरार है।

क्या आप जानते हैं कि बीमा कंपनियों को

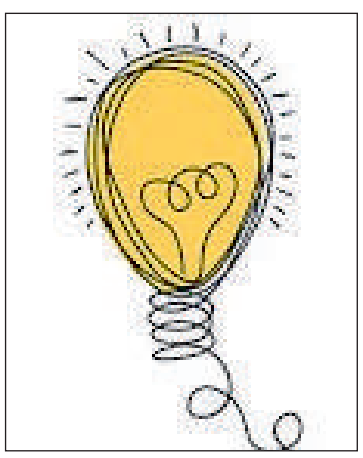

आपके बैंक खाते का पूरा विवरण देने के बावजूद रद्द चेक मांगने का क्या कारण हो सकता है? आपको बता दें कि कैंसिल चेक के जरिए ट्रांजेक्शन नहीं किया जा सकता है। इसका उपयोग केवल आपके खाते को सत्यापित करने के लिए किया जाता है। जब किसी को कैंसिल चेक दिया जाता है तो कैंसिल को दो समानांतर रेखाओं के बीच में लिखा जाता है। ताकि कोई आपके इस चेक का गलत इस्तेमाल न कर सके।

रद्द किए गए चेक पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है

जब आप किसी को कैंसिल चेक देते हैं तो कैंसिल चेक पर साइन करने की जरूरत नहीं होती है। इस पर आपको सिर्फ कैंसिल लिखना है। इसके अलावा चेक पर क्रॉस का निशान बनाया जा सकता है। इस प्रकार का चेक केवल आपके खाते की पुष्टि करता है। अगर आपने किसी संस्था को बैंक का कैंसल चेक दिया है तो इसका मतलब है कि आपका उस बैंक में खाता है। आपका नाम चेक पर हो भी सकता है और नहीं भी। आपका अकाउंट नंबर लिखा होता है और जिस ब्रांच में अकाउंट है उसका IFSC कोड लिखा होता है। कृपया ध्यान दें कि रद्द किए गए चेक के लिए आपको हमेशा केवल काली और नीली स्याही का ही उपयोग करना चाहिए। किसी अन्य रंग की स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए। अन्यथा आपका चेक अमान्य हो जाएगा।

रद्दीकरण जांच की आवश्यकता कब होती है?

जब आप फाइनेंस से जुड़ा कोई काम करते हैं तो कैंसिल चेक मांगा जाता है। जब आप कार लोन, पर्सनल लोन, होम लोन लेते हैं, तो ऋणदाता आपसे चेक रद्द करने के लिए कहते हैं। यह केवल आपके खाते को सत्यापित करने के लिए किया जाता है। अगर आप प्रोविडेंट फंड से ऑफलाइन पैसे निकालते हैं, तो कैंसिल चेक की जरूरत होती है। अगर आप म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं तो कंपनियां कैंसिलेशन चेक के बारे में जानकारी मांगती हैं। इसके अलावा बीमा पॉलिसी खरीदते समय भी इसकी जरूरत होती है।

कैंसिलेशन चेक देते समय इन बातों का रखें ध्यान

अगर आपको लगता है कि रद्द किया गया चेक बेकार है, तो किसी को भी यह सोचकर रद्द चेक नहीं देना चाहिए। रद्द किए गए चेक में आपके बैंक खाते से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी होती है। इसका उपयोग आपके खाते से धोखाधड़ी से पैसे निकालने के लिए किया जा सकता है। ऐसे में कभी भी साइन किए हुए चेक को कैंसिल न करें और किसी को न दें।

कैंसिलेशन चेक से संबंधित कार्य का विवरण

- डीमैट खाता खोलने के लिए बैंक में केवाईसी करवाने के लिए
- बीमा खरीदने के लिए- ईएमआई का भुगतान करने के लिएम्यूचुअल फंड में निवेश के लिए
- बैंक से कर्ज लेने के लिएEPF का पैसा निकालने के लिए

सावधान : मशरूम गर्ल दिव्या रावत से ठगे 77 लाख, जानिए पूरी खबर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

एक लड़की जिसने मेट्रो सिटी की जॉब छोड़कर उत्तराखंड में मशरूम की खेती करना शुरू करी थी। जिसके बाद उसका नाम 'मशरूम गर्ल' पड़ गया था।जिसने न केवल खुद के लिए रोजगार की उड़ान भरी बल्कि पहाड़ों के बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को भी उम्मीदों के पंख लगाए थे। उसके साथ हुआ 77 लाख रुपये की ठगी.जाने पूरा मामला रेस्टोरेंट और जिम का सामान दिलाने के नाम पर मशरूम गर्ल दिव्या रावत और उनके भाई के साथ 77 लाख रुपये की ठगी कर ली गई है। इस संबंध में इंस्पेक्टर नेहरू कॉलोनी मुकेश रावत ने बताया कि शिकायत मोथरोवाला निवासी दिव्या के भाई राजपाल सिंह रावत ने की है।

उन्होंने बताया कि वह सौम्य फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में बहन के साथ कार्य करते हैं। साल 2019 में कार्डिसेप फिटनेस के नाम से फर्म रजिस्टर्ड करवाई थी, जिसमें जिम, मशरूम से बने प्राकृतिक पौष्टिक आहार के साथ व्यायाम, योगा, जिम का कार्य कराना था। बताया कि बहन की कंपनी सौम्या फूड्स प्राइवेट लिमिटेड व द माउंटेन मशरूम के नाम से है। अप्रैल 2019 में जितेंद्र नंद किशोर भाखड़ा ने कंपनी से टेलीफोन के माध्यम से संपर्क किया और यकीन दिलाया कि वह जिम की मशीनें और

अन्य सजावट का सामान उपलब्ध करा देगा। जिसमें बताया कि विश्वास कर जिम का कार्य शुरू करवा दिया। कोटेसन के आधार पर मुद्रा लोन के लिए आवेदन भी कर दिया। 23 जनवरी 2020 को बैंक ने 7.20 लाख रुपये जितेंद्र की फर्म के खाते में जमा भी करा दिए। इसके बाद कई बार गुमराह किया गया। बाद में दिव्या ने भी जितेंद्र नंद किशोर भाखड़ा से फर्नीचर लकड़ी का काम, पफ पैनल, बिलिंग सॉफ्टवेयर, कंप्यूटर व अन्य सामान खरीदने के लिए छह मार्च 2020 को खाते में 8.26 लाख, 3.54 लाख रुपये जमा करा दिए। इसके बाद 4.37 लाख रुपये और ट्रांसफर किए गए। 12 मार्च 2020 को पुणे रवाना होने से पहले जितेंद्र ने दिव्या से आठ लाख रुपये नकद लिए। कोविड की दूसरी लहर आने के बाद फिर से काम रुक गया। इसके बाद अलग-अलग तरीकों से गुमराह किया जाता रहा। जिसमें उनसे लाखों की ठगी की गई।

उत्तरकाशी में जल्द खुलेगा एक नया वी टॉप सर्किट लॉन्च, जाने कब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जहां देश-विदेश से सैलानी आते हैं। प्राकृतिक सुंदरता के कारण हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक लवरेज पर्यटन स्थलों पर पहुंचते हैं। वहीं, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय लोग और पर्यटन विभाग मिलकर काम कर रहे हैं, जिससे पर्यटन को पंख लगने की उम्मीद है।इस बार 42वां विश्व पर्यटन दिवस मंगलवार 27 सितंबर को मनाया जा रहा है। वर्ष 2022 के लिए विश्व पर्यटन दिवस की थीम 'पर्यटन पर पुनर्विचार' है। जो कोरोना महामारी के बाद पर्यटन उद्योग में आए बदलावों पर फिर से विचार करने की प्रेरणा देता है। उत्तरकाशी में होटल एसोसिएशन, संगराली विलेज पीपल एंड टूरिज्म डिपार्टमेंट की पहल पर 27 सितंबर यानी विश्व पर्यटन दिवस से नया वी-टॉप सर्किट शुरू किया जा रहा है. इसमें उत्तरकाशी के खूबसूरत मैदानों के बीच आपको ट्रेकिंग, साइकिलिंग, हिल कल्चर, गढ़ भोज और प्राकृतिक संसाधनों से रूबरू कराया जाएगा। इसके लिए तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।विश्व के पर्यटन मानचित्र पर उत्तरकाशी जिले का नाम कई ट्रेकिंग के लिए

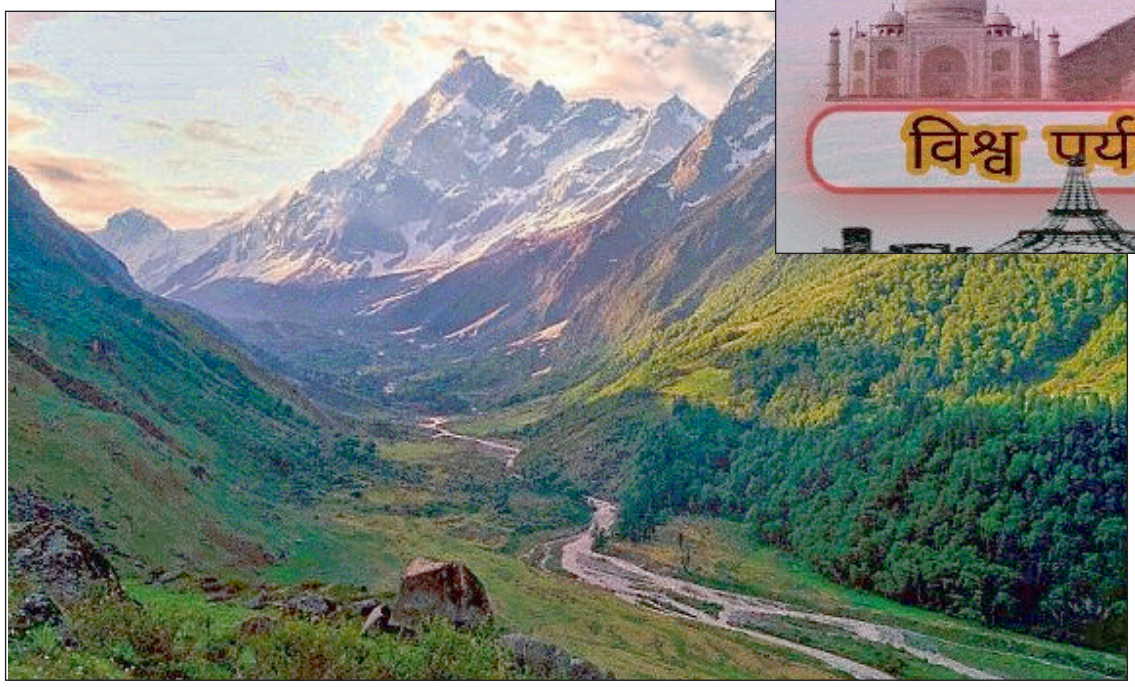

प्रसिद्ध है, लेकिन अब उत्तरकाशी के कुछ युवाओं और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों ने शहर और उसके आसपास के पर्यटन स्थलों की सुंदरता को नवीनीकृत करने की पहल की है। इसके लिए करीब 3 घंटे का वी-टॉप सर्किट तैयार किया गया है। जो उत्तरकाशी में वरुणावत पर्वत की तलहटी पर बने स्मृति जंगल से शुरू होकर गांव संगराली पहुंचेगी। इस पूरे कार्यक्रम के संयोजक दीपेंद्र पंवार होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेंद्र मटुडा ने बताया कि इसे वरुणावत इको ट्रेल भी कहा जा सकता है.जिसकी शुरूआत पर्यावरण प्रेमी प्रताप पोखरियाल की ओर से तैयार किए गए स्मृति वन से की गई है. इस पैदल ट्रेक पर सबसे पहले स्मृति वन के लाखों पेड़, पौधे मिलेंगे. जिसमें हर प्रकार के वनस्पतियां और औषधीय गुणों से युक्त पौधे हैं. इसी स्मृति वन में प्रताप पोखरियाल ने सालों से कई पेड़ पौधों को संजोकर रखा है. इसके बाद पहुंचते हैं वरुणावत पर्वत पर. जहां पर डिजास्टर को लेकर छोटी सी ब्रीफिंग की जाएगी. सितंबर 2003 में एक माह तक जारी रहे वरुणावत भूस्खलन से उत्तरकाशी नगर में भारी तबाही मची थी. जिसका मंजर आज भी यहां के लोगों की आंखों में कैद है.

नवरात्रि उपवास : क्या आपको मधुमेह है और आप उपवास रख रहे है ? इन युक्तियों का करें पालन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नवरात्रि की शुरुआत के साथ, उपवास और दावत की परंपरा शुरू होती है, अगर आप मधुमेह के रोगी हैं और इन नौ शुभ दिनों में उपवास भी करते हैं, तो यह खबर सिर्फ आपके लिए है। हम ऐसे टिप्स देंगे जो मधुमेह के प्रत्येक रोगी को उपवास के दौरान पालन करने चाहिए।

उपवास करते समय पालन करने के लिए युक्तियाँ:

सही खाएं: आहार प्रतिबंधों के कारण, रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव हो सकता है, इसलिए उन खाद्य पदार्थों का सेवन करें जो विटामिन सी, प्रोटीन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर हों क्योंकि वे रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करेंगे।कद्दू के बीज: कद्दू के बीजों का सेवन करें क्योंकि इनमें स्वस्थ वसा, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो आपके हृदय स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं और रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करते हैं।तो, यहाँ मधुमेह रोगियों के लिए कुछ उपयोगी सुझाव दिए गए हैं जो नवरात्रि के दौरान उपवास करने की योजना बना रहे हैं।

1) कुट्टू का आटा या सिंघाड़ा का आटा लेंअगर आपको मधुमेह है तो ऐसी रोटियां चुनें जिनमें कुट्टू का आटा या सिंघाड़ा का आटा हो। सिंघारा आटे के रेशों को पचने में कुछ समय लगता है। इसके अतिरिक्त, यह शरीर को अस्वाभाविक रूप से उच्च शर्करा के स्तर को रोकने के लिए, धीरे-धीरे चीनी छोड़ने की अनुमति देता है। उपवास के दौरान मधुमेह रोगी अपने नियमित आहार को बनाए रख सकते हैं। ऊपर वर्णित आटा, जैसे कुट्टू या सिंघारा आटा, केवल उनके

अनाज के स्थान पर उपयोग किया जा सकता है। ये दो घटक अविश्वसनीय रूप से स्वस्थ हैं। इसके अलावा, इन्हें कम से मध्यम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण पसंद किया जाना चाहिए।

2) प्रोटीन युक्त भोजन का सेवन करेंप्रोटीन युक्त भोजन की एक श्रृंखला का उपभोग करने के लिए एक जानबूझकर प्रयास करें। उपवास के दौरान आप कुछ निश्चित दालें नहीं खा सकते हैं। नतीजतन, आपको प्रोटीन के वैकल्पिक स्रोतों पर भरोसा करना चाहिए जो आप उपवास के दौरान खा सकते हैं। आप दूध, दही या पनीर जैसे डेयरी उत्पादों का सेवन कर सकते हैं।

3) आलू को सब्जी के रूप में खाने से बचेंजो मधुमेह रोगियों के लिए बहुत अच्छा है और इसलिए, आप इस अनाज का उपयोग करके विभिन्न व्यंजन तैयार कर सकते हैं। आमतौर पर फास्ट-फ्रेंडली खाद्य पदार्थ आलू से बने होते हैं। और जो मधुमेह रोगियों के लिए इन खाद्य पदार्थों का सेवन करना और भी कठिन बना देता है। तो, इससे कैसे निपटें? ध्यान रखें कि मॉडरेशन महत्वपूर्ण है। सब्जी के रूप में आलू का आनंद लेने से बचें। इसके बजाय, आप रोटी के लिए आलू को स्थानापन्न कर सकते हैं और इसे वेजी सलाद या दही के साथ परोस सकते हैं। यह अकेले रात के खाने के रूप में योग्य हो सकता है। डायबिटिक लोगों को तले हुए भोजन के बजाय ग्रिल्ड, बेक्ड या स्टीम्ड व्यंजन पसंद करना चाहिए।

संपादकीय

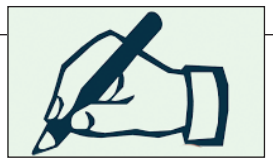

विपक्षी एकता का अधूरापन

देश के उपप्रधानमंत्री रहे ताऊ देवीलाल की जयंती पर विपक्षी एकता आधी-अधूरी और सवालिया रही, लेकिन अब भी इसे 'नामुमकिन' नहीं आंका जा सकता। देवीलाल अपने राजनीतिक कालखंड के दौरान विपक्षी दलों को लामबंद करते रहे। उन्हें सफलताएं भी मिलीं। तब विरोध कांग्रेस का था, लेकिन आज प्रमुख राजनीतिक ताकत और सत्ता भाजपा की है, लिहाजा परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। देवीलाल की पार्टी इंनेलो के मौजूदा नेता अभय चौटाला का सार्वजनिक बयान है कि यदि राष्ट्रीय स्तर पर कोई गठबंधन तय होता है, तो उनकी पार्टी कांग्रेस के साथ साझा चुनाव लड़ सकती है। ऐसा निर्णय अकाली दल और वामपंथी दलों का भी हो सकता है। राज्यों के स्तर पर ये कांग्रेस-विरोधी दल रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री और विपक्ष को लामबंद करने की कोशिशों में जुटे नीतीश कुमार ने भी कांग्रेस को साथ लेने का आह्वान किया है। देवीलाल के जन्मदिन की रैली के बाद नीतीश कुमार और लालू यादव ने दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात भी की है। जाहिर है कि विपक्षी एकता पर विमर्श हुआ होगा। देवीलाल के पुत्र और हरियाणा के कई बार मुख्यमंत्री रहे ओमप्रकाश चौटाला ने 25 सितंबर की रैली के लिए 10 राज्यों के 17 नेताओं को आमंत्रित किया था, लेकिन 8 नेता ही शिरकत कर पाए। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता डा. फारूक अब्दुल्ला और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने वीडियो संदेश भेजकर अपना परोक्ष समर्थन दिया, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री मायावती और अखिलेश यादव आदि प्रमुख विपक्षी नेता रैली से गायब रहे। उन्होंने संदेश तक भी जारी नहीं किया। वे अपने-अपने राज्यों में ताकतवर नेता हैं। यदि विपक्ष में ऐसा अधूरापन जारी रहेगा, तो विपक्षी गठबंधन एक मुश्किल संभावना माना जा सकता है। हम अब भी उसे 'नामुमकिन' करार देने के पक्ष में नहीं हैं। बेशक नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव, शरद पवार, सुखबीर बादल, शिवसेना सांसद अरविंद सावंत, द्रमुक सांसद कनिमोझी और सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी आदि ने रैली में शिरकत की। यदि विपक्ष यूं ही अस्थिर और आधा-अधूरा रहा, तो वह किसी भी सूरत में प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा की राजनीतिक ताकत का मुकाबला नहीं कर सकता। देवीलाल जयंती के मौके पर कांग्रेस का भी कोई राष्ट्रीय चेहरा मौजूद नहीं था। बेशक पार्टी की 'भारत जोड़ो' यात्रा जारी है, लेकिन कांग्रेस में नेताओं की कमी नहीं है। यहां राजस्थान कांग्रेस का जिक्र भी बेहद जरूरी है, क्योंकि वहां कांग्रेस विधायकों ने ही रायता फैला दिया है। चूंकि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का कांग्रेस अध्यक्ष बनना लगभग तय है, लिहाजा नया मुख्यमंत्री चुनना स्वाभाविक है। गहलोत अब भी राजस्थान से चिपके रहना चाहते हैं, लिहाजा उन्होंने सियासत की गोटियां ऐसी खेलीं कि 92 विधायकों ने इस्तीफे दे दिए। वे आलाकमान पर दबाव डालना चाहते हैं, ताकि नेतृत्व सचिन पायलट को मुख्यमंत्री न बना सके। विधायकों ने केंद्रीय पर्यवेक्षकों की बात भी नहीं सुनी।

उच्च जोखिल वाली गर्भवती महिलाओं की सफलतापूर्वक डिलीवरी कराने वाली आशाओं को प्रोत्साहन धनराशि दी जाये : जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रम की जिला कार्यालय सभागार में समीक्षा की जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक बेहतर हों, इसके लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रभावी तरीके से कार्य करना सुनिश्चित करें। निर्देशित करते हुए कि उच्च जोखिल वाली गर्भवती महिलाओं की सफतापूर्वक डिलीवरी कराने वाली आशाओं को प्रोत्साहन धनराशि दी जाये। मेटरनल डेथ की सूचना देने वाले प्राईमरी इन्फोर्मर को ईनाम देने की व्यवस्था की जाये और इन्फॉर्मर का

नाम भी गौपनीय रखा जाये। जिलाधिकारी ने आशा, एएनएम, हैल्थ एण्ड वैलनेस सेन्टर आदि सभी का रजिस्टर आगामी बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने स्टाफ मोटीवेशन हेतु कमेटी के गठन शीघ्र करने, सिफलिस से सम्बन्धित ट्रेनिंग कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम मे लिए एक व्यक्ति को नामित किया जाये और प्रशिक्षण दक्ष व्यक्तियों द्वारा ही दिया जाये। जिलाधिकारी ने प्रोग्रामवार धनराशि की जानकारी सभी डीपीएम तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। साथ ही एनीमिया मुक्त अभियान चलाने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुनीता चुफाल रतूड़ी, एसीएमओ डॉ0 हरेन्द्र मलिक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री गणेश जोशी ने पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों को बांटे फलदार पौधे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 27 सितम्बर , ग्राम्य विकास विभाग द्वारा 15 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक आयोजित स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत देहरादून के सर्वे प्रेक्षागृह में आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों को फलदार पौध वितरण कार्यकम में प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मंत्री गणेश जोशी ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों को 4-4 फलदार पौधों का वितरण किया। इस दौरान मंत्री जोशी ने लाभार्थियों से संवाद भी किया। जोशी ने अपने संबोधन में सबसे पहले सभी को प्रथम नवरात्र की बधाई शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब से सत्ता में आए हैं तब से लेकर लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

गरीबों कमजोर लोगों के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि हमारे देश की पहचान नरेंद्र मोदी है भारत के नाम अगर किसी ने ऊंचा किया है तो नरेंद्र मोदी जी ने किया है।

मंत्री जोशी ने कार्यक्रम में पहुंची महिलाओं से समूहों से जुड़ने को भी कहा ताकि महिलाएं और सशक्त हो सके। मंत्री जोशी ने कहा कि आज जो प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को अमरूद और आम के फल पौधों का वितरण किया गया है, जो गरीबों के मकान बनाने सपना था वो अगर किसी ने पूरा किया है तो देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है।

मंत्री जोशी ने बताया कि अब तक देहरादून जिले में 900 से अधिक लोगो को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को मिल चुके हैं। मंत्री जोशी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में लगातार कृषि बागवानी ग्राम्य सहित कई क्षेत्रों में विकास के कार्य किए जा रहे। मंत्री जोशी ने कहा कि राज्य सरकार ने संकल्प लिया है कि जब प्रदेश 25 वर्ष का होगा तो उत्तराखंड को हर क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाना है उस संकल्प के साथ प्रदेश सरकार लगातार काम कर रही है।

अंकिता के परिजनों से मिले पूर्व सीएम हरीश रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अंकिता भंडारी कल पंचतत्व में विलीन हो गई हैं। अंकिता को उसके भाई ने जलाया था। जिसके बाद अब सभी लोग इस दुख की घड़ी में अंकिता के परिवार को सांत्वना दे रहे हैं. इसी कड़ी में अब प्रदेश के पूर्व सीएम हरीश रावत आज दोपहर अंकिता भंडारी के परिवार उनके गांव पहुंचे. जहां उन्होंने अंकिता के परिवार वालों को सांत्वना दी। वहीं, ग्रामीणों ने उन्हें एक ज्ञापन भी सौंपा. हरीश रावत ने कहा कि अंकिता पूरे प्रदेश की बेटी है। उसे न्याय अवश्य मिलेगा। उनका मानना है कि आरोपियों को सजा जरूर मिलेगी।हरीश रावत ने कहा कि कुछ शासक नेताओं के इशारे पर पहाड़ की मासूम बच्चियों को वेश्यावृत्ति में धकेलने का प्रयास किया जा रहा है. यह बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही कहा कि वह और उनकी पार्टी इस लड़ाई को हर स्तर पर लड़ने के लिए तैयार हैं और वे अंकिता को न्याय देंगे.वहीं बेटी अंकिता को खोने वाली मां की तबीयत एक बार फिर खराब हो गई है. जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

अंकिता की मां सोनी देवी की तबीयत को देखते हुए उन्हें रविवार को श्रीनगर के सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है. मेडिकल कॉलेज से संबद्ध बेस अस्पताल के कार्यवाहक चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि सोनी देवी को घबराहट और बेचैनी की शिकायत थी. इसलिए उन्हें शाम चार बजे बेस अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया। आज सुबह साढ़े नौ बजे उन्हें छुट्टी दे दी गई। लेकिन सुबह आने के बाद उनकी तबीयत फिर खराब हो गई।

डॉक्टर ने घर आकर उसकी जांच की।अंकिता हत्याकांड के विरोध में सोमवार को पूरे चमोली जिले में बंद का आह्वान किया गया है. गोपेश्वर ट्रेड यूनियन की ओर से जिले के सभी ट्रेड यूनियनों से समर्थन मांगा गया है. इसके साथ ही चक्का जाम का भी ऐलान किया गया है. वहीं, गोपेश्वर बाजार को आज बंद रखा गया है. देहरादून में भी युवाओं ने प्रदर्शन किया।पूर्व मुख्यमंत्री और गढ़वाल के सांसद तीरथ सिंह रावत ने कहा कि अंकिता हमारी बेटी है. घटना के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि डीएम को पीड़ित परिवार को जल्द मुआवजा देने का निर्देश दिया गया है. कहा कि डीएम पौड़ी को निर्देश दिया गया है कि रिजॉर्ट के सभी पहलुओं की जांच की जाए और मानकों के विपरीत पाए जाने पर तोड़फोड़ की कार्रवाई की जाए.

समूह 'ग' की 23 परीक्षाओं हेतु अतिरिक्त परीक्षा कलेण्डर जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 27 सितंबर ,उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग की ओर से 23 परीक्षाओं के लिए अतिरिक्त परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया गया है। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ० राकेश कुमार ने कार्यालय में अधिकारियों के साथ परीक्षा कैलेंडर को लेकर बैठक ली और शासन द्वारा हाल ही में आयोग को प्रेषित समूह 'ग' की 23 परीक्षाओं हेतु अतिरिक्त परीक्षा कलेण्डर जारी कर दिया गया है आयोग ने यह संकल्प दोहराया है कि उपर्युक्त समस्त परीक्षाएं समयबद्ध तरीके से वर्ष 2022 एवं 2023 के दौरान आयोजित की जाएंगी।

अध्यक्ष द्वारा वर्ष 2022 के प्रारंभ में निर्गत यूकेपीएससी के मुख्य वार्षिक परीक्षा कलेण्डर के बारे में अवगत कराया गया है कि आयोग के उक्त परीक्षा कलेण्डर में उल्लिखित 23 परीक्षाएं निर्धारित की गयी थी, जिनमें से अब तक 18 परीक्षाएं सफलतापूर्वक सम्पन्न की जा चुकी हैं तथा 04 परीक्षाओं का आयोजन इस वर्ष के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। इनमें पीसीएस मुख्य परीक्षा - 2021 का आयोजन दिनांक 12 से 15 नवम्बर, 2022 के दौरान किया जाना सम्मिलित है तथा शेष एक वन क्षेत्राधिकारी परीक्षा को स्थगित किया गया है। सिविल जज जू.डि. परीक्षा, ए०ई० परीक्षा, सहायक अभियोजन अधिकारी परीक्षा, असिस्टेंट प्रोफेसर, वन क्षेत्राधिकारी एवं सहायक भूवैज्ञानिक परीक्षा के संदर्भ में आयोग द्वारा अग्रेतर कार्यवाही तभी की जा सकेगी जब क्षैतिज आरक्षण के संदर्भ में मा० उच्च न्यायालय, उत्तराखण्ड द्वारा हाल ही में पारित आदेश के आलोक में शासन द्वारा आरक्षण प्रक्रिया सुनिश्चित करते हुए आयोग को अवगत कराया जाएगा।आयोग के अध्यक्ष डॉ० राकेश कुमार द्वारा यह भी जानकारी दी गई है कि आरक्षण से सम्बन्धित उत्पन्न कतिपय विसंगतियों के निस्तारण हेतु आयोग द्वारा प्राप्त लगभग 29 अधियाचनों को शासन को प्रत्यावर्तित कर दिया गया है तथा शासन से संशोधित अधियाचन प्राप्त होने के पश्चात आयोग द्वारा उनके लिए पृथक से एक परीक्षा कलेण्डर जारी करते हुए समानान्तर ढंग से परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। वर्तमान में उक्त 29 अधियाचनों को संशोधित किये जाने की कार्यवाही शासन स्तर पर गतिमान है।

उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग

परीक्षा कैलेण्डर

मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब, सुबह से पूजा-अर्चना के लिए लगी कतारें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 27 सितम्बर। मां दुर्गा के नौ रूपों की विशेष पूजा का उत्सव नवरात्रि आज से शुरू गया है। इसको लेकर भक्तों में उत्साह बना हुआ है। नवरात्रि के पूरे नौ दिन देवभूमि उत्तराखंड के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ पूजा करने के लिए लगी रहेगी। वहीं, घटस्थापना के साथ शुरू हुए नवरात्रि के मौके पर मंदिरों में सुबह से ही भीड़ उमड़नी शुरू हो गई थी। मां पूर्णागिरी धाम और मंसा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर मां का आशीर्वाद लिया।

भारतीय प्राच्य विद्या सोसाइटी के ज्योतिष प्रतीक मिश्रपुरी ने बताया कि इस साल शारदीय नवरात्र पर शुक्ल व ब्रह्म योग का अद्भुत संयोग बना। आज नवरात्र के पहले दिन सर्वार्थसिद्धि योग, यायीजय योग और शुक्ल योग सुबह 10 बजकर 12 मिनट तक रहा। इसके बाद ब्रह्म योग शुरू हो गया है। जो कि मंगलवार 27 सितंबर को सुबह 8.45 तक रहेगा। शुक्ल व ब्रह्म योग में पूजा करना शुभ व फलदायी माना गया है। वहीं, 30 और 31 को रवि योग के अलावा सर्वार्थसिद्धि योग बन रहा है। दो अक्तूबर सर्वार्थ सिद्धि योग और सौभाग्य योग बन रहा है। कहा जाता है कि इस योग में मां भगवती की पूजा-अर्चना करना सबसे ज्यादा फलदायी साबित होता है। दो अक्तूबर को संध्या छह बजे तक सौभाग्य नामक योग बन रहा है। वहीं, 3 अक्तूबर को अष्टमी को शोभन योग दोपहर 3ः 41 तक है। पांच अक्तूबर को सुकर्मा नामक योग बन रहा है।

पंडित योगेश भट्ट ने बताया कि नवरात्रि पहला योग शुक्ल योग है। आज से देवी मंदिरों में भीड़ उमड़ेगी और श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचेंगे। शहर के मनसा देवी, माता चंडी, देवी, माता माया देवी, माता श्री दक्षिण काली मंदिरों में नवरात्रों के अवसर पर विशेष रूप से सजावट की गई है। वहीं, आज मां दुर्गा हाथी की सवारी पर पृथ्वी लोक में पधारीं। जिस दिन से नवरात्रि शुरू होते हैं, उसी दिन के अनुसार माता अपने वाहन पर सवार होकर आती हैं। नवरात्रि में मां दुर्गा की सवारी को लेकर तिथि के हिसाब से अलग-अलग सवारी तय है। देवी भागवत के अनुसार शशि सूर्य गजारूढ़ा, शनि भौमे तुरंगमे। गुरौ शुक्रे च दोलायां, बुधे नौका प्रकीर्तिता।

अर्थात यदि नवरात्रि रविवार, सोमवार से आरंभ हो तो मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आती हैं। शनि, मंगल को घोड़े पर, गुरु एवं शुक्र को डोली में और बुध को नाव में सवार होकर आती हैं। हाथी को शुभ का प्रतीक माना गया है। ऐसे में आने वाला यह साल बहुत ही शुभ कार्य होगा। लोगों के बिगड़े काम बनेंगे। माता रानी की पूजा अर्चना करने वाले भक्तों पर विशेष कृपा बरसेगी। व्रत रखने वालों को इस साल विशेष लाभ होगा।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा